Inta an Usica The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--ज्ञा 3--उपत्रण्ड (ii)

PART II - Section 3 -- Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

44 • 34}

नई विल्ली, शुक्रवार, जनवरी 24, 1975/माध 4, 1896

No. 34]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 24, 1975/MAGHA 4, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलन संकलन के अप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

ORDER

New Delhi, the 24th January 1975

S.O. 49(E)/15/IDRA/74.—Whereas the Central Government is of the opinion that there has been, or is likely to be, a substantial fall in the volume of production in respect of cotton textiles manufactured in the industrial undertaking known as Lakshmirattan Cotton Mills Company Limited, Kanpur for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoint for the purpose of making full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

 Shri I. B. Dutt, Retired Additional Textile Commissioner, Flat No. 6, Gold Carnet, Nauroji Gamdia Road, Bombay-26.

Members

- Shri V. K. Malhotra, IAS, Joint Director of Industries, Dte. of Industries, Uttar Pradesh, G.T. Road, Kanpur.
- Shri S. M. Yousuf, Regional Director, Company Law Board, 10/449-B Allen Ganj, Khalasi Line, Post Box No. 137, Kanpur.
- Shri G. V. S. Desikan, Technical Adviser, National Textile Corporation, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
- Shri V. N. Moralwar, Director, Office of the Textile Commissioner, Post Box No. 11500, Bombay-400020.

[No. 3/26/72-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy-

उद्योग तथा सिविल प्रति मंत्रालय

षावेश

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1975

का॰ मा॰ 49(म)-15/मार्ष जो मार ए/74:---- मतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लक्ष्मीरस्त बाटन मित्स बस्पनी लि॰, बानपुर नामक भौधोगिक उपक्रम में निर्मित सूती वस्त्रों के सम्बन्ध में उत्पादन क परिणाम में भारी गिरावट हुई है अथवा होने की सम्भावना है, जिस के लिए विद्यमान आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, कोई श्रीचित्म नहीं है; ।

ग्रतः ग्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) ग्रिधिनियम 1951 (1951 ा 65) की भारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुय केन्द्रीय सरकार मामले की परिस्थितियों की समग्र तथा पूर्ण कांच करने के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित व्यक्तियों के निपाय की ए बुद्धारा नियुक्ति करती है:—

- श्राई० बीं० दत्त,
 सेवा-निवृत्त श्रपर वस्त्र झागुक्त,
 क्लेट नं० 6, गोल्ड वार्नेट,
 नौरोजी गामदिया रोड, बम्बई-26।
- ग्रभ्यक

 श्री बी० के० मल्होझा, आई० ए० एस०, उद्योग संयुक्त निदेशका, उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश, जी० टी० रोड, कानपुर। सदस्य

 श्री एस० एन० युसूफ, क्षेत्रीय निवेशका, बन्पनी ला बोर्ड, 10/449, बी एलन गंज, खलासी लाइन पो० बा॰ मं॰ 137, कानपुर।

सदस्य

 श्री जी० बी० एस० देसीकन, तकनीकी सलाहकार, राष्ट्रीय वस्त्र क्लिम, 19, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। सदस्य

 श्री वी० एन० मोरालवर, निदेशक, वस्त्र ग्रामुक्त कार्यालय, पोस्ट बाक्स सं० 11500, बस्बई-400020.

सदस्य

[फाइल सं॰ 3/26/72 सी यू सी] डी॰ के॰ सक्सेना, संयक्त सचित्र ।